Exam.Code:0005
Sub. Code: 0406

2012
B.A./B.Sc. (General) Fifth Semester
Sanskrit (Elective)
Paper: Upnishad, Ramayana, Shabdavali va Vyakaran

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

x-x-x

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1: किसी एक मन्त्र का अनुवाद एवं व्याख्या कीजिए ? (1x10=10)

क) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः।
एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे।।

ख) हिरण्मये पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।

प्रश्न 2: ईशावास्योपनिषद् का सार लिखें ? (10)

अथवा

मा गृधः कस्यस्विद्धनम् की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ?

प्रश्न 3: किन्हीं दो श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद एवं व्याख्या कीजिए ? (2x7½=15)

क) पुंनागाः सप्तपर्णाश्च चम्पकोद्दालकास्तथा।
विवृद्धमूला बहवः शोभन्ते स्म सुपुष्पिताः।।

ख) नन्दनं विबुधोद्यानं चित्रं चैत्ररथं यथा।
अतिवृत्तिमिवाचिन्त्यं दिव्यं रम्यश्रियायुतम्।।

ग) पीडितां दुःखसंतप्तां परिक्षीणां तपस्विनीम्।
ग्रहेणाङ्गारकेणेव पीडितामिव रोहिणीम्।।

घ) पूर्णचन्द्रामनां सुभ्रू चारुवृत्तपयोधराम्।
कुर्वतीं प्रभया देवीं सर्वा वितिमिरा दिशः।।

प्रश्न 4: किन्हीं दस शब्दों के संस्कृत रूप लिखिए ? (10x1=10)

तबला, मंजीरा, ढोल, पियानो, बांसुरी, बिगुल, नेट, रेफरी, बम, पिस्तौल, बारूद, गोली, कृपाण, गदा, धनुष।

प्रश्न 5: किन्हीं पांच की सन्धि/सन्धिविच्छेद कीजिए ? (5x1=5)

निश्चलः, बालास्तिष्ठन्ति, नमस्ते, रामोऽयम् अतएव, कः+एषः, मुनि+अयम्, मनः+रथ, तिरः+कारः, निः+कर्मः।

प्रश्न 6: किन्हीं पांच के समस्तपद/विग्रह पद लिखिए ? (5x1=5)

अधिहरि, सुभिक्षम्, अनुरथम्, सचक्रम्, आमुक्ति, अक्ष्णोः प्रति, सदृशः सख्या, हर्षेण युगपत्, गृहं गृहम्, जनानां अभावः।

P.T.O.

प्रश्न 7: **किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण लिखकर उदाहरण सहित स्पष्टीकरण करें ?** (2x7½=15)

अनुप्रास, श्लेष, यमक।

प्रश्न 8: **किसी एक का वर्ण्य-विषय लिखिए ?** (5)

'ऋग्वेद' अथवा 'अथर्ववेद'।

प्रश्न 9: **किसी एक का सामान्य परिचय लिखिए ?** (5)

'शिक्षा' अथवा 'ज्योतिष'।

प्रश्न 10: **किन्हीं पांच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें ?** (5x2=10)

क) वह संस्कृत पढ़ता है।

ख) हम प्रतिदिन आपस में खेलते हैं।

ग) तुम गुरु को प्रणाम करते हो।

घ) गांव के दोनों ओर जल है।

ङ) वह प्रातः कहां रहता है।

च) वे दोनों सत्य बोलते हैं।

छ) आकाश में बादल हैं।

ज) स्वामी दयानन्द महापुरुष थे।

झ) किसी की निदा न करो।

ञ) अब शोर बन्द करो।

x-x-x